वार्षिक प्रतिवेदन

२०२१-२२

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

पुणे

विषय-सूची

क्र.	विवरण	पृष्ठ क्र.
१.	परिचय	०२
२.	संस्थान की स्थापना	०२
३.	स्थायी परिसर	०२
४.	ट्रांजिट परिसर	०२
५.	शासन निकाय	०३
६.	शासन	०५
७.	वित्तीय स्थिति	०५
८.	कार्यक्रमों की पेशकश	०६
९.	पाठ्यक्रम	०७
१०.	कक्षाओं का संचालन	०७
११.	प्लेसमेंट	०८
१२.	अनुसंधान और विकास	१०
१३.	वेबिनार, आमंत्रित वार्ता और सम्मेलन	१३
१४.	कार्यशालाएं, एफडीपी, एसटीपी और एमटीपी	१६
१५.	सह-शैक्षिक गतिविधियाँ	१९
१६.	स्वीकृति	२३

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा|"

१. परिचय

१.१. दृष्टिगोचर

एक अग्रणी वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बनने के लिए जो समाज और दुनिया के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में सेवा करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और संबद्ध विषयों में उपन्यास ज्ञान का प्रसार, कुशल और नैतिक पेशेवरों और नेताओं का उत्पादन करने के लिए एक नवीन शिक्षा प्रदान करता है।

१.२. विशेष कार्य

१. गुणवत्ता के साथ-साथ मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करके इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अकादमिक उत्कृष्टता प्रदान करना, और विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के लिए एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देना, जहां वर्तमान परिदृश्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए अनुसंधान क्षमताओं का लाभ उठाया जा सके।

२. सामाजिक और पर्यावरणीय अभिविन्यास के साथ नवाचार और उद्यमिता की भावना से प्रभावित सक्षम और कुशल युवाओं को विकसित करने के लिए आवश्यक ज्ञान को पूरा करना और सूचना प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वभौमिक नेतृत्व प्रदान करना।

३. तकनीकी शिक्षा में नैतिकता और अखंडता के महत्व को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत मानवाधिकारों के संबंध में सीखने को बढ़ावा देना और समान अवसर, समानता और न्याय के सिद्धांतों के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता।

४. तकनीकी शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं में आवेदन और अनुसंधान का समर्थन करना, तकनीकी शिक्षा में भारतीय पारंपरिक ज्ञान को और अधिक उन्नत बनाना।

२. संस्थान की स्थापना

संसद के एक अधिनियम द्वारा वर्ष २०१६-१७ में स्थापित, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) पुणे सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा बनाया गया राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। परियोजना का प्रारंभिक परिव्यय १२८ करोड़ रुपये था, जिसमें से ५०%, ३५% और १५% हिस्सेदारी क्रमशः तीन हितधारकों, केंद्र सरकार, राज्य सरकार (महाराष्ट्र) और उद्योग भागीदारों द्वारा वहन की जाएगी। संस्थान की स्थापना वर्ष २०१६ में हुई थी।

३. स्थायी परिसर

आईआईआईटी पुणे का स्थायी परिसर लगभग १०० एकड़ भूमि में स्थापित किया जाएगा, जिसकी पहचान नालोनी, तालेगांव, पुणे में की गई है।

४. ट्रांजिट परिसर

ट्रिनिटी एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के संसाधनों को साझा करते हुए, बोपदेव घाट के पास, कोंढवा एनेक्सी, येवालेवाड़ी, पुणे, आईआईआईटी पुणे का किराए का परिसर ट्रिनिटी एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे परिसर के भीतर कार्य कर रहा है। छात्रावास, मेस, खेल सुविधाएं, कैंटीन जैसे संसाधन, क्लास रूम और प्रयोगशालाओं आईआईआईटी पुणे के साथ साझा किए जाते हैं।

५. शासन निकाय

संस्थान का शासी निकाय संस्थान के शैक्षणिक, वित्तीय और प्रशासनिक मामलों के लिए जिम्मेदार प्रमुख प्राधिकरण है। इसके अलावा, संस्थान के समग्र विकास और शासन के लिए सभी दीर्घकालिक नीति निर्माण, योजना और विकास के लिए अंतिम जिम्मेदारी भी है। बोर्ड के पास राष्ट्र के समग्र हित में, भारत सरकार द्वारा सौंपे गए अपने कार्यों का स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वहन सुनिश्चित करने के लिए, जैसा कि इसके द्वारा आवश्यक समझा गया, अन्य अधीनस्थ और सहायक समूहों / समितियों का गठन करने की शक्ति है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पुणे की पहली शासी निकाय की बैठक १६ फरवरी, २०१६ को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

५.१. शासक मंडल

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की संरचना इस प्रकार है:

१.	श्री अतुल के निशार	अध्यक्ष	हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष
२.	श्री राकेश रंजन	सदस्य	अपर सचिव (टीई), नई दिल्ली
३.	श्री प्रसाद कोलटे	सदस्य	मुख्य परिचालन अधिकारी, महाआईटी, मुंबई
४.	श्री अभय ई. वाघी	सदस्य	निदेशक, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार
५.	डॉ अनुपम शुक्ला	सदस्य	निदेशक, आईआईआईटी (पीपीपी) पुणे
६.	डॉ. एस. एन. सपाली	सचिव	रजिस्ट्रार, आईआईआईटी (पीपीपी) पुणे

५.२.प्रबंधकारिणी समिति

अधिनियम, विधियों और अध्यादेशों के प्रावधानों के अधीन, सीनेट संस्थान का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। सीनेट संस्थान में शिक्षण, मूल्यांकन, अनुसंधान और परामर्श के मानकों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। संस्थान के शैक्षणिक विकास और विकास को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत दिशा-निर्देशों और दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने की जिम्मेदारी है। निदेशक, आईआईआईटी पुणे सीनेट के पद अध्यक्ष हैं, जबकि रजिस्ट्रार सदस्य सचिव हैं।

सीनेट की संरचना इस प्रकार है:

१.	डॉ. अनुपम शुक्ला	अध्यक्ष	निदेशक, आईआईआईटी पुणे
२.	डॉ. लक्ष्मीधर बेहरा	सदस्य	प्रोफेसर, आईआईटी, कानपुर
३.	डॉ गिरिजेश प्रसाद	सदस्य	प्रोफेसर, अल्स्टर विश्वविद्यालय
४.	डॉ. देबाशीष घोष	सदस्य	प्रोफेसर, आईआईएससी, बैंगलोर

५.	डॉ. एम. सी. गोविल	सदस्य	निदेशक, एनआईटी सिक्किम
६.	श्री अनुज मेहरा	सदस्य	लीड डाटा साइंटिस्ट, अमेज़न वेब सेवाएं
७.	डॉ. रितु तिवारी	सदस्य	प्रोफेसर, आईआईआईटी पुणे
८.	डॉ तन्मय हाजरा	सदस्य	एचओडी, सीएसई, आईआईआईटी पुणे
९.	डॉ. नागेंद्र कुशवाहा	सदस्य	एचओडी, ईसीई, आईआईआईटी पुणे
१०.	डॉ. एस. एन. सपाली	सचिव	रजिस्ट्रार, आईआईआईटी पुणे

५.३ भवन एवं निर्माण समिति

भवन एवं निर्माण समिति (बीडब्ल्यूसी) की संरचना इस प्रकार है:

१.	डॉ. अनुपम शुक्ला	अध्यक्ष	निदेशक, आईआईआईटी पुणे
२.	प्रो के के पाठक	सदस्य	सिविल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी-२२१००५
३.	श्री सुरेश लक्ष्मण गणेशकर	सदस्य	मुख्य अभियंता एमएसईडीसीएल, विद्युत भवन, पुराना पावर हाउस कंपाउंड, मिल कॉर्नर, औरंगाबाद-४३ १००१
४.	प्रो. संजीव सिंह	सदस्य	प्रमुख, वास्तुकला विभाग एसपीए नीलबाद रोड, भौरी, भोपाल-४६२०३०
५.	प्रो. बी जी बिराजदार	सदस्य	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, सीओई शिवाजीनगर, पुणे-४११००५
६.	श्री चंद्रकांत पी जवाले	सदस्य	एसई, पीएमआरडीए तीसरी मंजिल, पीसीएनटीडीए नया प्रशासनिक भवन, अकुर्दी, पुणे-४११०१०४४
७.	श्री अनिल कुमार जैन	सदस्य	पूर्व डीजी, सीपीडब्ल्यूडी, प्लॉट एफ-२१-सी, सेक्टर-५० नोएडा
८.	श्री एस रामानुजम	सदस्य	सेवानिवृत्त सीई (सिविल), बार्क
९.	श्री निरंजन सिंह	सदस्य	पूर्व सीई, सीपीडब्ल्यूडी, ए-३/२०१, निर्मल छाया टावर वीआईपी रोड, एसएएस नगर, मोहाली (पंजाब)
१०.	प्रो. नीरज गुप्ता	सदस्य	राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय वास्तुकला विभाग, ४२४, सेक्टर ७, मालवीय नगर जयपुर– ३०२०१७
११.	प्रो राजेश के त्रिपाठी	सदस्य	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी रायपुर (छ.ग.)
१२.	प्रो. एस. एन. सपाली	सचिव	रजिस्ट्रार, आईआईआईटी पुणे

६. शासन

डॉ. अनुपम शुक्ला आईआईआईटी पुणे के निदेशक हैं। डॉ. एस. एन. सपाली आईआईआईटी पुणे के प्रभारी रजिस्ट्रार हैं। संस्थान की स्थापना के बाद से, भारत सरकार संस्थान के विकास के लिए योजना अनुदान प्रदान कर रही है। योजना अनुदान मुख्य रूप से परिसर के निर्माण, छात्रावास भवनों और अन्य भवनों के निर्माण, नए उपकरणों की खरीद के साथ-साथ संस्थान के साथ-साथ छात्रावासों के लिए फर्नीचर की खरीद के लिए जारी किया जाता है।

७. वित्तीय स्थिति

अ) योजनागत और गैर-योजना अनुदानों का विश्लेषण

क्रमांक	विवरण		राशि (लाख में)
(ए)	योजना अनुदान		२१३४.००
	केंद्र सरकार	१८०२.००	
	महाराष्ट्र राज्य सरकार	०.००	
	उद्योग भागीदार	३३२.००	
(बी)	गैर योजना अनुदान		१००.००
	केंद्र सरकार	१००.००	
	महाराष्ट्र राज्य सरकार	०.००	
		कुल (ए+बी)	२२३४.००

ब) धन स्रोत

क्रमांक	विवरण	राशि (लाख में)
(ए)	केंद्र सरकार	१९०२.००
(बी)	महाराष्ट्र राज्य सरकार	०.००
(सी)	उद्योग भागीदारों से योगदान	३३२.००
(डी)	ब्याज आय	१३६.४९
(ई)	शैक्षणिक प्राप्तियां	१४८७.४२
(एफ)	अन्य आय	७.३६
	कुल	३८६५.२७

स) पिछले तीन वर्षों का व्यय

क्रमांक	वर्ष	आवर्ती व्यय	गैर आवर्ती	कुल (लाख में)
(ए)	२०१९-२०	३७६.९६	२४३.२३	६२०.१९
(बी)	२०२०-२१	४९५.९८	१००.४२	५९६.४०
(सी)	२०२१-२२	२२६.३०	५५.६४	२८१.९४

८. कार्यक्रमों की पेशकश

आईआईआईटी पुणे देश में सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान नवीनतम विकास अध्यापन को ध्यान में रखते हुए ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा प्रदान कर रहा है। संस्थान चार वर्षीय स्नातक [बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.)], मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है।

आईआईआईटी पुणे निम्नलिखित विभागों में बी.टेक. और एम.टेक. प्रदान करता है:

क) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई)
बी) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (सीएसई)

संस्थान ने कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग [सीएसई / ईसीई में बी.टेक. (ऑनर्स)], दोनों शाखाओं में भाग लेने वाले बैचों में २०२० से 'ऑनर्स' की डिग्री भी शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य छात्रों को मुख्य विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान करना है जो उन्हें उच्च अध्ययन, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट में मदद करना है।

संस्थान में बी.टेक. के लिए प्रवेश केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (सीएसएबी) द्वारा संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जोसा) द्वारा किया जाता है। जोसा के अलावा, संस्थान में विदेश के छात्रों के प्रत्यक्ष प्रवेश (डीएएसए) के माध्यम से बी.टेक. छात्रों को प्रवेश देने का प्रावधान है। डासा के माध्यम से इसकी वर्तमान प्रवेश क्षमता ३४ है। संस्थान में एम.टेक. के लिए प्रवेश केंद्रीकृत परामर्श द्वारा किया जाता है। २०२१-२२ में बी.टेक. और एम.टेक. में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या नीचे सूचीबद्ध है:

क्रमांक	कार्यक्रम और विशेषज्ञता	प्रवेश	लड़के	लड़कियाँ	कुल
१	बी.टेक. (सीएसई)	१७५	१६२	१३	१७५
२	बी.टेक. (ईसीई)	५०	४५	२	४७
३	एम.टेक. (सीएसई)	३६	७	९	१६
४	एम.टेक. (ईसीई)	२२	४	१	५

पीएच.डी. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनके चुने हुए शोध क्षेत्र में दक्षता हासिल करने में सहायता करना है। शैक्षणिक कार्यक्रम पीएच.डी. डिग्री २०१८-१९ सत्र में शुरू हुई थी। संस्थान संयुक्त पर्यवेक्षण और अंतर-विभागीय समूह गतिविधियों की एक प्रणाली के माध्यम से अंतःविषय क्षेत्रों में अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करता है।

आईआईआईटी पुणे में अनुसंधान गतिविधियों को शैक्षणिक विभागों के दायरे में किया जाता है:

१. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई)
२. कंप्यूटर और विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग (सीएसई)
३. अनुप्रयुक्त गणित और डेटा विज्ञान विभाग (एएमडीएस)
४. मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग (एचएसएस)
५. प्रबंधन विभाग

शिक्षण और अनुसंधान के सभी पहलुओं में नए ज्ञान को विकसित करने के उद्देश्य से, आईआईआईटी पुणे संस्थान के पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। आईआईआईटी पुणे की योजना सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, मोबाइल कंप्यूटिंग, सूचना सुरक्षा, आईओटी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, स्पीच एंड इमेज प्रोसेसिंग, मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स, साइबर फिजिकल सिस्टम, वायरलेस नेटवर्क, वीएलएसआई डिजाइन और नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में विश्व स्तरीय अनुसंधान सुविधाएं विकसित करने की है।

छात्रों को जुलाई और दिसंबर में आईआईआईटी पुणे में पीएचडी कार्यक्रम में एक खुले विज्ञापन और चयन प्रक्रिया (लिखित परीक्षा के बाद साक्षात्कार) के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। २०२१-२२ के दौरान पीएच.डी में नामांकित छात्रों की संख्या इस प्रकार है:

क्रमांक	विभाग	जुलाई २०२१ सत्र	दिसंबर २०२१ सत्र	कुल
१	सीएसई	६	१	७
२	ईसीई	२	१	३
३	एचएसएस	०	२	२

९. पाठ्यक्रम

आईआईआईटी पुणे भविष्य की आईटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम में सुधार पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। शिक्षाविदों के अलावा, संस्थान एक व्यापक वातावरण प्रदान करता है जो कला, संस्कृति, खेल, सामाजिक योगदान और स्वशासन को बढ़ावा देता है। छात्र चल रहे अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में भाग लेते हैं, परिणामस्वरूप, समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक जीवंत कार्यक्रम मौजूद है।

बी.टेक. और एम.टेक. पाठ्यक्रम में निम्नलिखित घटक होते हैं:

क. कार्यक्रम के मुख्य पाठ्यक्रम
ख. कार्यक्रम वैकल्पिक पाठ्यक्रम
ग. वैकल्पिक पाठ्यक्रम खोलें
घ. स्व-अध्ययन / ऑनलाइन पाठ्यक्रम
ङ. इंटर्नशिप
च. परियोजना कार्य

सापेक्ष ग्रेडिंग का उपयोग छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए किया जाता है।

१०. कक्षाओं का संचालन

कक्षाएं ट्रिनिटी एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के अंदर, बोपदेव घाट के पास, कोंढवा एनेक्सी, येवालेवाड़ी, पुणे परिसर में अपने ट्रांजिट परिसर में आयोजित की जाती हैं, जैसे कि छात्रावास, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेल के मैदान संसाधनों को साझा करते हुए।

सत्र २०२१-२२ के लिए संकायों की सूची इस प्रकार है:

क्रमांक	संकाय का नाम	पद	विभाग
१.	डॉ. रितु तिवारी	प्रोफेसर	सीएसई
२.	डॉ तन्मय हाजरा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
३.	डॉ संजीव शर्मा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
४.	डॉ भूपेंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
५.	डॉ राहुल दीक्षित	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
६.	डॉ अमृता विष्णु लिपारे	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
७.	डॉ कौशलेंद्र शर्मा	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
८.	डॉ. सैफ नलबंद	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
९.	डॉ. परीक्षित सैकिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
१०.	डॉ. नागेंद्र कुशवाहा	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
११.	डॉ. रंजीत आर. नायर	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
१२.	डॉ संदीप मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
१३.	डॉ सुशांत कुमार	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
१४.	डॉ. वैदुर्या जैन	सहायक प्रोफेसर	एचएसएस
१५.	डॉ. वागीशा मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	एचएसएस
१६.	डॉ. अनघा खिस्ते	सहायक प्रोफेसर	एएमडीएस
१७.	डॉ. चंद्रकांत गुलेद	सहायक प्रोफेसर	एएमडीएस
१८.	डॉ. जतिन मजीठिया	सहायक प्रोफेसर	एएमडीएस

११. प्लेसमेंट

शिक्षाविदों के प्रमुख लक्ष्यों में से एक छात्र के कौशल को एक अच्छे करियर के लिए निर्धारित करना है। करियर डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेट रिलेशंस सेंटर (सीडीसीआरसी) इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीडीसीआरसी छात्रों को सही करियर चुनने और उद्योग की जनशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ज्ञान, कौशल और योग्यता प्रदान करने के लिए मार्गदर्शन करना है। आईआईआईटी पुणे इस विभाग में ऊंचाई और सीमा से उत्कृष्ट है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में बड़ी संख्या में कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए आईआईआईटी पुणे का दौरा कर चुकी हैं। इस शैक्षणिक वर्ष में छात्रों को दिया जाने वाला उच्चतम पैकेज ४२ लाख प्रति वर्ष है जबकि औसत पैकेज १५.५ लाख प्रति वर्ष था। आईआईआईटी पुणे हर साल शीर्ष ब्रांडों में अपने छात्रों के प्लेसमेंट में नई प्रगति कर रहा है। नूतानिक्स ने सबसे ज्यादा मुआवजे ४२ लाख की पेशकश की। कोड नेशन और मीडिया डॉट नेट ३० लाख प्रति वर्ष की पेशकश की। अन्य शीर्ष वेतन देने वाली कंपनियां हैं एनवीदेया (रुपये २५ लाख), पेटीएम (१६.५ लाख) रॉबर्ट बॉश (१८ लाख), सिनोप्सिस (१८ लाख) रिलायंस जियो (रु. १५ लाख), नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स (रु. १३.५ लाख), जेडएस एसोसिएट्स, पब्लिसिस सैपिएंट और कई अन्य।

अंतिम वर्ष के सभी पात्र छात्रों को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में रखा गया है। इंटर्नशिप की पेशकश करने वाले कुल ९०% छात्र थे। उच्चतम इंटर्नशिप की पेशकश प्रति माह १.५ लाख रुपये थी। कुल मिलाकर आईआईआईटी पुणे के छात्रों को दिए जाने वाले प्लेसमेंट और इंटर्नशिप दोनों के मामले में अच्छी वृद्धि देखी गई है। सभी क्षेत्रों की कंपनियां जैसे नेटवर्किंग और दूरसंचार, उत्पाद आधारित आईटी सेवाएं और परामर्श, ई-कॉमर्स और वित्तीय सेवाएं और कई अन्य कंपनियां परिसर में पहुंचीं। रिलायंस जियो, इंक्रेफ, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, रॉबर्ट बॉश, कैपजेमिनी, डेलॉइट, नायका, इंफोसिस, आईबीएम कॉग्निजेंट जैसी शीर्ष कंपनियों ने पहले ही कैंपस का दौरा किया था और छात्रों को नौकरी की पेशकश की थी। अंतिम वर्ष के अधिकांश छात्रों को इस शैक्षणिक वर्ष के प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान

प्लेसमेंट मिला है। प्रशिक्षण प्लेसमेंट सेल की सेल संरचना और यूजी और पीजी प्लेसमेंट और इंटर्नशिप का विभाजन नीचे दिखाया गया है:

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल की सेल संरचना

Name of Staff	Designation	Role & Responsibility
Dr. Ritu Tiwari	Professor	Chairperson
Mr. Mudit Sachdeva	Placement Officer	Coordinator
Dr. Tanmoy Hazra	Assistant Professor	Member
Dr. Vagisha Mishra	Assistant Professor	Member
Dr.Bhupendra Singh	Assistant Professor	Member

११.१. बी टेक प्लेसमेंट का विवरण

Batch/Branch	Total Students	Eligible Students	Batch Average Package	Highest Package	Total Selections	Percentage Placed
2020/CSE	33	24	7.2 LPA	22 LPA	22	92%
2020/ECE	24	16			8	50%
2021/CSE	47	38	13.9 LPA	36 LPA	35	92%
2021/ECE	39	31			22	71%
2022/CSE	48	46	15.2 LPA*	40 LPA*	45*	98%
2022/ECE	35	27			21*	78%

११.२. बी टेक इंटर्नशिप का विवरण

Batch/Branch	Eligible Students	Internships	Highest Stipend (/Month)	Lowest Stipend (/Month)
2020/CSE	24	6	60k	10k
2020/ECE	16	4	40k	15k
2021/CSE	38	38	90k	5k
2021/ECE	31	26	40k	8k
2022/CSE	46	35	90k	25k
2022/ECE	27	14*	50k*	25k*

११.३. एम. टेक प्लेसमेंट का विवरण

Batch/Branch	Total Students	Eligible Students	Batch Average Package	Highest Package	Total Selections	Percentage Placed
2021/CSE	5	4	3.53 LPA	22 LPA	3	75%
2021/ECE	7	7			5	72%
2022/CSE	13	12	5 LPA	12.5 LPA	10	83%
2022/ECE	11	10			5	50%

११.४. एम. टेक इंटर्नशिप का विवरण

Batch/Branch	Eligible Students	Internships	Highest Stipend (/Month)	Lowest Stipend (/Month)
2021/CSE	4	3	25k	20k
2021/ECE	7	5	30k	10k
2022/CSE	12	12	40k	10k
2022/ECE	10	8	40k	10k

पिछले तीन वर्षों से आईआईआईटी पुणे के छात्रों को दिए जाने वाले औसत पैकेज के साथ-साथ उच्चतम पैकेज के संबंध में प्लेसमेंट के मामले में लगातार वृद्धि देखी जा सकती है।

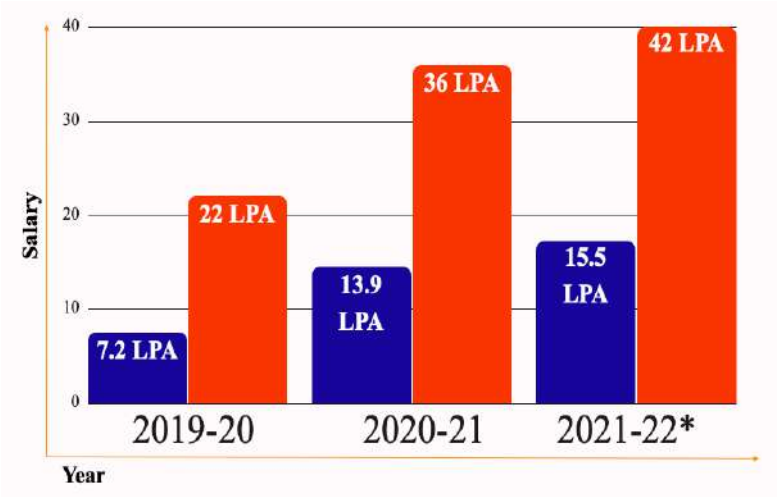

ग्राफ़ में प्रदर्शित सभी आंकड़े लाख प्रति वर्ष हैं, और चल रहे प्लेसमेंट के कारण परिवर्तन के अधीन हैं।

१२. अनुसंधान और विकास

आईआईआईटी पुणे ने निम्नलिखित चिन्हित क्षेत्रों में अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं:

१. आईओटी स्पेस में रोबोटिक्स और सुरक्षा केंद्र
२. वीएलएसआई और नैनो टेक्नोलॉजी के लिए केंद्र
३. भारतीय भाषाओं और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के लिए केंद्र

आईआईआईटी पुणे के संकाय सदस्य बहु-विषयक अनुसंधान के लिए विभिन्न अनुसंधान केंद्रों से जुड़े हुए हैं। अनुसंधान केंद्रों द्वारा विभिन्न गतिविधियां शुरू की गई हैं जिनमें संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीपी) सहयोगी अनुसंधान आदि शामिल हैं।

१२.१. पीयर-रिव्यूड जर्नल प्रकाशन

१. शुभ्रा जैन, के.के. पटनायक, राहुल कुमार वर्मा, अनुपम शुक्ला, "EDVWDD: Event-Driven Virtual Wheel-based Data Dissemination for Mobile Sink-Enabled Wireless Sensor Networks" जर्नल ऑफ़ सुपरकंप्यूटिंग, वॉल्यूम ७७(१०), पीपी १४३२-११४५७ , २०२१.

२. तन्मय हाजरा, कुशाल अंजारिया, "Analysis and applications of a Bridge Game" जर्नल ऑफ एम्बिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग, पृष्ठ १-१३, २०२१।

३. तन्मय हाजरा, कुशाल अंजारिया, "Applications of game theory in deep learning: a survey" मल्टीमेड टूल्स एपल ८१, ८९६३-८९४, २०२२।

४. शेख वासमीर हुसैन, तेलजला वेंकट महेंद्र, संदीप मिश्रा, अनूप दंडापत, "Match-line control unit for power and delay reduction in hybrid CAM," आईईटी सर्किट, डिवाइस और सिस्टम, वॉल्यूम १५, संख्या ३, पीपी २७२-२८३, फरवरी २०२१.

५. फरहाना बेगम, संदीप मिश्रा, अनूप दंडपत, "Low power १०-bit flash ADC with divide and collate subranging conversion scheme" साइंटिया ईरानिका, ट्रांजेक्शन डी: कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम २८, नंबर ६, पीपी ३४६४-३४७९ , दिसंबर २०२१.

६. राहुल दीक्षित, देव सौरव पांडा, श्रद्धा सुमन पांडा, "An Advanced Susceptible-Exposed-Infectious-Recovered model for quantitative analysis of COVID-१९" स्प्रिंगर, खंड ४६, पृष्ठ १-१०, २०२१।

७. चंद्रकांत गुलेद, "The MHD flow of liquid film in the presence of dissipation and thermal radiation through an unsteady stretching sheet by HAM", तुर्की जर्नल ऑफ कंप्यूटर एंड मैथमैटिक्स एजुकेशन (टरकोमैट) १२ (१३), ९४९-९५९, २०२१।

८. वागीशा मिश्रा, "Barrenness between Mr. and Mrs. Ramsay: Fillmore's frame Study of Virginia Woolf's To the Lighthouse", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड सोशल साइंसेज ६ (०४), ७-३-७५, २०२१।

९. वागीशा मिश्रा, "The Patriarch vis-a-vis Matriarch: Fillmore's Frame Semantic Study of Virginia Woolf's Between the Acts", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च ९ (०२), ०७-३०९, २०२१।

१०. अमृता लिपारे, दामोदर रेड्डी एडला, और रमेश धारावथ, "Fuzzy Rule Generation using Modified PSO for Clustering in Wireless Sensor Networks", ग्रीन कम्युनिकेशंस और नेटवर्किंग पर आईईईई लेनदेन, खंड ५, नंबर २ पृष्ठ: ८४६-८५७, २०२१।

११. अमृता लिपारे, दामोदर रेड्डी एडला, और रमेश धारावथ, "Energy Efficient Fuzzy Clustering and Routing using BAT algorithm", वायरलेस नेटवर्क, वॉल्यूम २७, संख्या ४, पृष्ठ: २८१३-२८२८, स्प्रिंगर २०२१।

१२. अमृता लिपारे, दामोदर रेड्डी एडला, और सैदी रेड्डी पार्ने, "Fuzzy Rule-based System for Energy Efficiency in Wireless Sensor Networks", सुपरकंप्यूटिंग के जर्नल, पृष्ठ: १-२४, स्प्रिंगर २०२१।

१३. मधु, संतनू, रवि कुमार प्रसाद, प्रशांत रामोत्रा, दामोदर रेड्डी एडला, और अमृता लिपारे, "A Location-less Energy Efficient Algorithm for Load Balanced Clustering in Wireless Sensor Networks" वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, पेज: १-१९, २०२१ .

१४. रक्षित मित्तल, ए. अमलिन प्रिंस, सैफ नालबंद, फेमी रॉबर्ट, और जैक फ़्रेडो, "Modified-MaMeMi filter bank for efficient extraction of brainwaves from electroencephalograms", बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कंट्रोल, वॉल्यूम ६६, पृष्ठ: १०२९२७, २०२१।

१५. परीक्षित सैकिया और सुशांत कर्माकर, "Improved distributed approximation for Steiner tree in the CONGEST model", समानांतर और वितरित कंप्यूटिंग के जर्नल (जेपीडीसी), खंड ५८, अंक दिसंबर, पृष्ठ: ६-२१२, २०२१।

१६. परीक्षित सैकिया, सुशांत कर्मकार, और एरिस पगौत्ज़िस, "Primal-Dual based distributed approximation algorithm for prize-collecting Steiner tree", असतत गणित, एल्गोरिदम और अनुप्रयोग (डीएमएए), पृष्ठ: २१५००८ (१-४८), खंड १, नंबर २, २०२१

१७. कौशलेंद्र शर्मा और राजेश डोरिया, “Coordination of multi-robot path planning for warehouse application using smart approach for identifying destinations”, इंटेल, सर्व. रोबोटिक्स, खंड १४, संख्या २, पृष्ठः ३१३-३२५, २०२१।

१८. अमित कुमार पथी, आनंद कुमार, राहुल गुप्ता, सुशांत कुमार, सुधन मांझी, “Design and implementation of blind modulation classification for asynchronous MIMO-OFDM system”, इंस्ट्रुमेंटेशन और मापन पर आईईईई लेनदेन, वॉल्यूम ७०, पीपी १११, २०२१ .

१९. महेश एस. चौधरी, सुशांत कुमार, राहुल गुप्ता, मनीष कुमार, सुधन मांझी, “Implementation and measurement of blind receiver for OFDM systems”, इंस्ट्रूमेंटेशन और माप पर आईईईई लेनदेन, खंड ७१, पीपी १-११, २०२२।

१२.२. सम्मेलन प्रकाशन

१. नीलेश कुन्हारे, रितु तिवारी, और जॉयदीप धर, “Network packet analysis in real time traffic and study of snort ids during the variants of dos attacks” एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग (एआईएससी), वॉल्यूम १११७९, पीपी ३६२-३७ , २०२१.

२. अश्विनी कुमार सिंह और नागेंद्र कुशवाहा, “Software and Hardware Security of IoT” २०२१ आईईईई इंटरनेशनल आईओटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मेक्ट्रोनिक्स सम्मेलन (आईईएमट्रॉनिक्स), पीपी १-५, २०२१।

३. रोहन लेखवानी, और भूपेंद्र सिंह, “FastV२C-HandNet: Fast Voxel to Coordinate Hand Pose Estimation with ३D Convolutional Neural Networks” अभिनव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। स्प्रिंगर, सिंगापुर, पीपी ४१३-४२६, २०२१.

४. शशि पाल सिंह, अजय कुमार, लेनाली सिंह, अपूर्व मिश्रा, संजीव शर्मा, “Strategy of Fuzzy Approaches for Data Alignment” कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, इंटेलिजेंट सिस्टम के लिए एल्गोरिदम। स्प्रिंगर अक्टूबर २०२११।

५. शुभम शुक्ला, संजीव शर्मा, शशांक कुमार, विभव कुमार सचान, कमल किशोर उपाध्याय, एनके शुक्ला, “A review on the novel approach of path planning and exploration of an area for a multi mobile robotic systems” संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया रुझान, सीआरसी प्रेस, पीपी-५११-५१८ २०२१।

६. शिरीन रफत आलम, कौशलेंद्र शर्मा और राजेश डोरिया, “Rolling Window Algorithm for Robot Path Planning using AWS”, आईसीईएससी, आईईईई सम्मेलन, खंड २, पृष्ठः ३६-३७२, २०२१

७. शिवानी गुप्ता, कौशलेंद्र शर्मा और राजेश डोरिया, “Path Selection Planning for Robots using Modified Genetic Algorithm using EC२”, आईसीईएससी, आईईईई सम्मेलन, खंड २, पृष्ठः १७२३-१७२९, २०२१।

८. हर्ष, सुशांत कुमार, और सुधन मांझी, “Blind CFO Estimation for Multi-user in SC-FDMA Uplink Systems Using Variance Minimization”, प्रोक १७ आईईईई IWCMC २०२१, हार्बिन, चीन, पीपी ७१-१९६७ में।

९. हर्ष, सुशांत कुमार, शिवानी सिंह और सुधन मांझी, “CFO Estimation for Multi-user Uplink SC-FDMA Using Null Subcarrier and Deterministic Approach”, को चौथे आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (ICOIACT) २०२१ में स्वीकार किया गया।

१०. रिया पारिख, यसोदा भार्गव, “Lower Socio-Economic Position Associated with Higher Odds of Diabetes-Depression Comorbidity” आईईईई इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी, २०२१ में ४३वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

११. वागीशा मिश्रा “Bridging the Distance between Imagination and Science: Fillmore's Frame Semantic Analysis of Mary Shelley's Frankenstein” शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्टुअल कल्चर्स एट द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी हैदराबाद, २०२१।

१२. तन्मय हाजरा, भूपेंद्र सिंह "Novel Coronavirus: Modelling and Predicting the Covid-१९ Trajectory in India" ७वीं २ सीटी आईईईई सम्मेलन, २०२१ में प्रस्तुत किया गया।

१३. सजना एस, रंजीत नायर, "Learning-based smart parking system" कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित, ICCI-२०२१, आईआईआईटी पुणे, २०२१। (सर्वश्रेष्ठ छात्र पेपर पुरस्कार)।

१२.३. पुस्तक अध्याय

१. एस. पी. जाखड़, ए. नंदल, आर. दीक्षित, "Classification and Measuring Accuracy of Lenses Using Inception Model V३ In: Innovations in Computational Intelligence and Computer Vision। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, खंड ११८९ (२०२१)। स्प्रिंगर, सिंगापुर जनवरी २०२१ को प्रकाशित।

२. एस. पी. जाखड़, ए. नंदल, आर. दीक्षित, "Classification and Measuring Accuracy of Lenses Using Inception Model V३ In: Innovations in Computational Intelligence and Computer Vision। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, खंड ११८९ (२०२१)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। जनवरी २०२१ को प्रकाशित।

३. के शर्मा, ए नंदल, ए ढाका, और आर दीक्षित, "Medical Image Classification Techniques and Analysis Using Deep Learning Networks: A Review. In: Health Informatics: A Computational Perspective in Healthcare। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में अध्ययन, खंड ९३२ (२०२१)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। सितंबर २०२१ को प्रकाशित।

१२.४. अनुसंधान परियोजना

१. डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना शीर्षक "अनोमली डिटेक्शन एंड काउंटरमेजर्स इन साइबर-फिजिकल सिस्टम यूजिंग एडवांस्ड कंट्रोल एंड एस्टीमेशन टेक्निक्स"। डीएसटी-एसआरजी (स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट) योजना।

   a. प्रधान अन्वेषक: डॉ रंजीत रवींद्रनाथन नायर
   b. अनुदान राशि: १३.७७ लाख
   c. अवधि: २ वर्ष (दिसंबर २०२१-दिसंबर २०२३)

१३. वेबिनार, आमंत्रित वार्ता और सम्मेलन

- २६ मई २०२१ को, आईआईआईटी पुणे ने "कोरोना महामारी की चुनौतियां और इसके समाधान" पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता प्रो. बलदेव कुमार (कुलपति, श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा) थे।

चित्र १: प्रो. बलदेव कुमार, कोरोना महामारी की चुनौतियों और उसके समाधान पर ऑनलाइन वेबिनार के वक्ता

- ५ जून २०२१ को अपराह्न ३ से ४ बजे तक आईआईआईटी पुणे ने पर्यावरण पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता श्री संजय स्वामी, राष्ट्रीय पर्यावरण समन्वयक, एसएसयूएन, नई दिल्ली थे।
- १० अगस्त २०२१ को राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की पहली वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रोफेसर रवि प्रकाश तिवारी (तकनीकी शिक्षा के संयोजक, एसएसयूएन और प्रोफेसर, एमएनएनआईटी, इलाहाबाद, प्रयागराज) ने "अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग" पर एक मुख्य सत्र दिया।
- शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर, ५ सितंबर, २०२०-२१ को एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें श्री देशराज शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक, चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास, एसएसयूएन ने "गुरु शिष्य परंपरा" पर व्याख्यान दिया।
- आईआईआईटी पुणे ने भारतीय भाषाओं में शोध पत्र लिखने पर १ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला १४ नवंबर, २०२१ को आयोजित की। कार्यक्रम के वक्ताओं में श्री विजयकुमार शुक्ला, पूर्व निदेशक, सीडीएसी, डॉ कृष्ण कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, टाटा बेसिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, और डॉ प्रियंका जैन, सहायक निदेशक, वैज्ञानिक "एफ", सीडीएसी दिल्ली थे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर ओम विकास (सेवानिवृत्त, आईआईआईटीएम-ग्वालियर के पूर्व निदेशक) थे।
- राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर २२ दिसंबर २०२१ को एक प्रेरक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भौतिकि ब्रम्हानंद स्नाताकोट्टर महाविद्यालय, रथ, हमीरपुर, उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर कैलाश विश्वकर्मा ने "महान गणितज्ञ की आज की प्रासंगिकता: श्रीनिवास रामानुजन" पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय गणित दिवस को मनाने और बढ़ावा देने के लिए २२ दिसंबर २०२१ को एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें वैदिक गणित संस्थान (यूके स्थित एनजीओ) की मानद निदेशक श्रीमती प्राजाक्ति गोखले ने "प्राचीन भारतीय गणितज्ञ" पर व्याख्यान दिया था।
- सॉफ्ट कम्प्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के साथ संयुक्त रूप से २७ दिसंबर- २८ दिसंबर २०२१ तक कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और संबद्ध क्षेत्रों के क्षेत्र में काम कर रहे शोधकर्ताओं को एक साथ लाना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचर-इंस्पायर्ड एल्गोरिथम, मशीन लर्निंग, के क्षेत्र में हाल के विकास पर ज्ञान का प्रसार करना था। अनुसंधान साक्ष्य, व्यक्तिगत वैज्ञानिक विचारों और नवीन विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से डीप लर्निंग, कंप्यूटर विजन और कई अन्य क्षेत्र। कोविड -१९ की पृष्ठभूमि को देखते हुए, सम्मेलन पिछले दो वर्षों में आभासी मोड में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में दुनिया भर के शिक्षाविदों और उद्योग जगत के कई प्रतिष्ठित मुख्य वक्ताओं के साथ-साथ स्वीकृत सहकर्मी-समीक्षित लेखों की प्रस्तुति देखी गई।

चित्र २: कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक झलक- आईसीसीआई २०२१

- आईआईआईटी पुणे ने विज्ञान प्रकाश और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के साथ मिलकर ८-९ जनवरी,२०२२ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर गुणवत्ता, उत्पादकता बढ़ाने और अभिनव प्रणालियों के विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और समाज। सम्मेलन ने अपनी दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए प्रतिभाशाली दिमागों को एक साथ लाया। छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय और नीति

नियोजकों ने विभिन्न सत्रों में चर्चा में भाग लिया। भारत और विदेशों के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा पांच मुख्य सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन में चार ट्रैक थे और सम्मेलन में कुल २८ शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

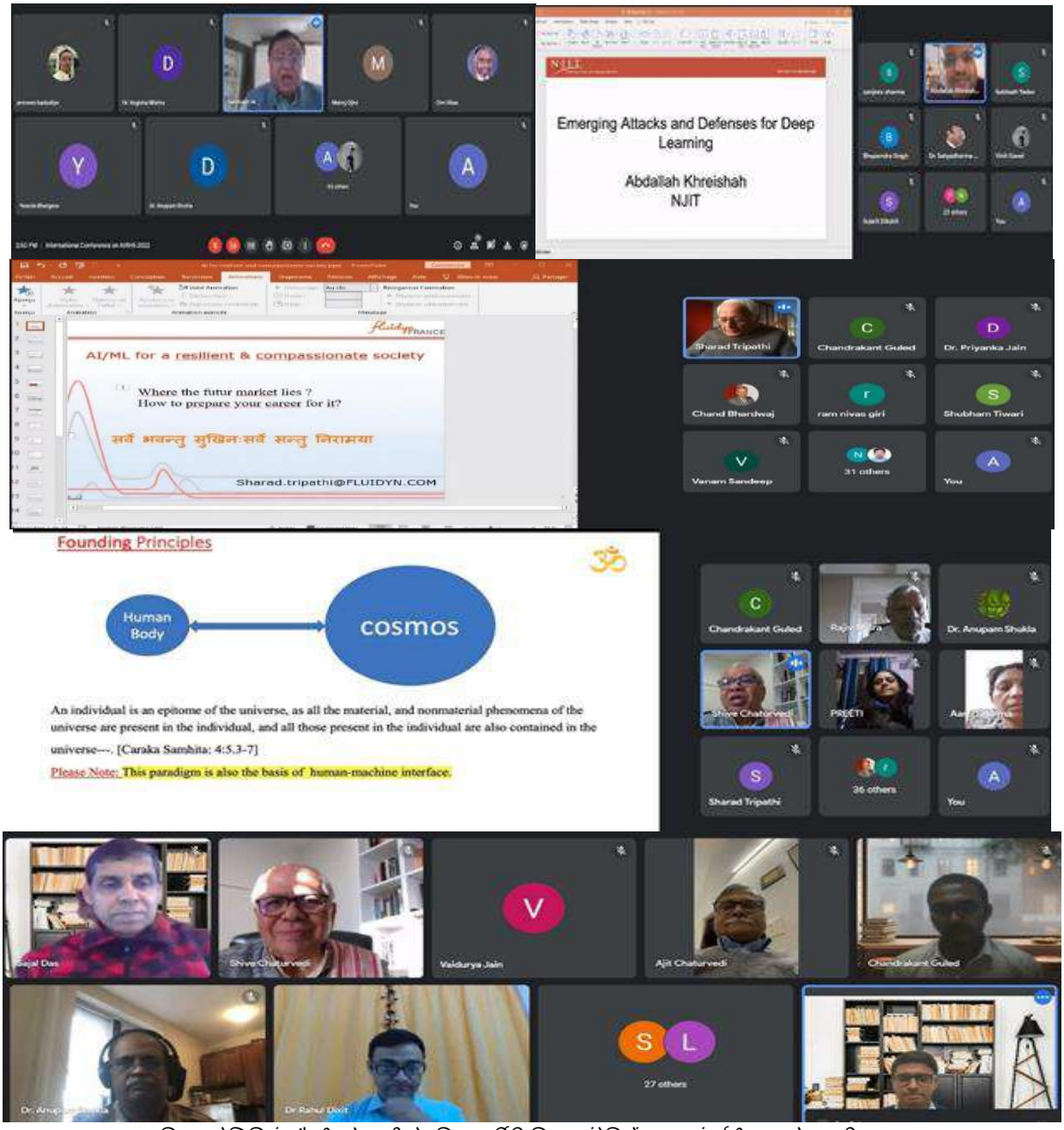

चित्र ३: रेज़िलिएंट हैप्पी सोसाइटी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की झलक

- १२ जनवरी २०२२ को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रोफेसर प्रशांत साठे, प्रोफेसर, बीएमसीसी कॉलेज, पुणे ने "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" पर व्याख्यान दिया।
- "भाषण और संगीत में अनुसंधान के फ्रंटियर्स" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ११ फरवरी से १२ फरवरी २०२२ तक किया गया था, जिसमें दुनिया भर में संगीत, भाषण और इसके अनुप्रयोग क्षेत्रों में काम करने वाले शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया था। एकल मंच।

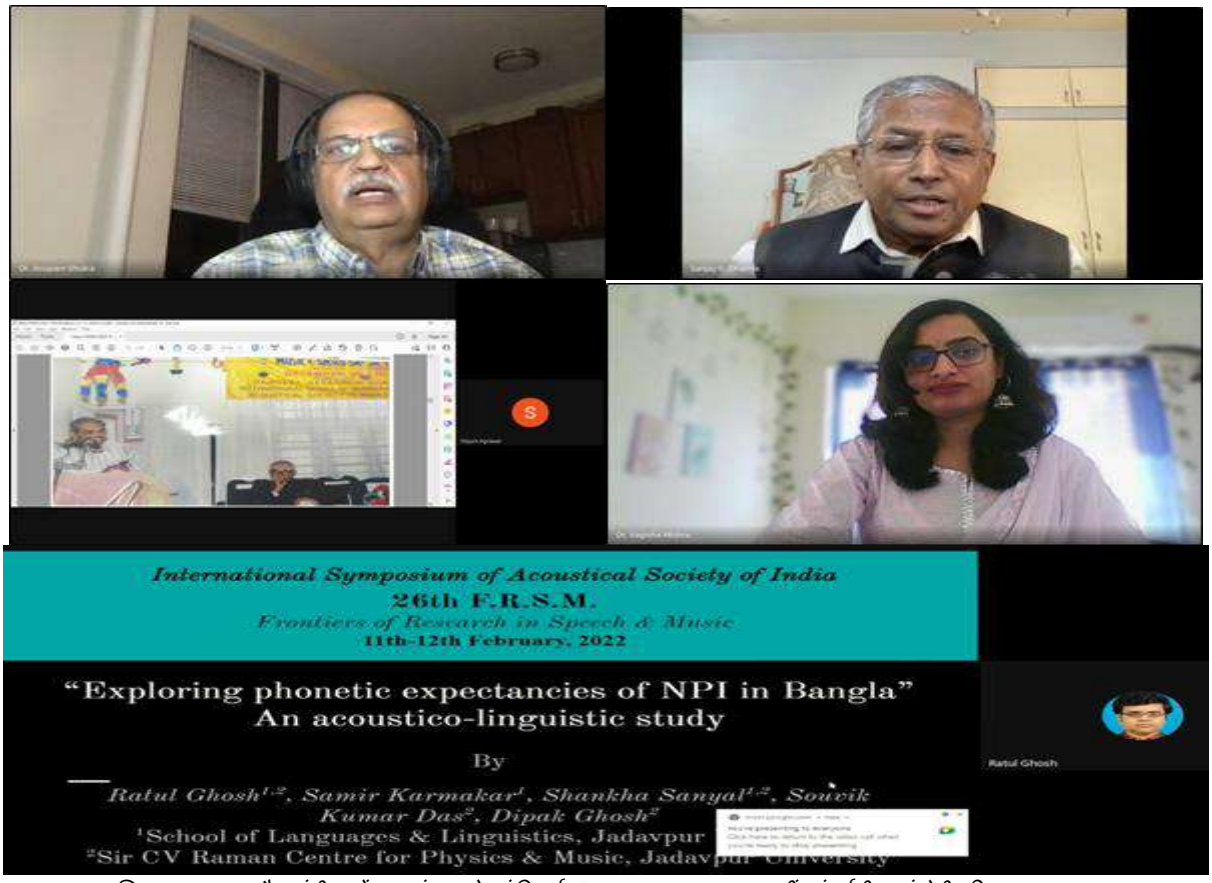

चित्र ४: भाषण और संगीत में अनुसंधान के फ्रंटियर्स (एफआरएसएम) पर २६वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलक २०२१

- अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० और भारतीय भाषाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए २१ फरवरी २०२२ को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रोफेसर डॉ विनोद कुमार मिश्रा, पूर्व महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस और विभागाध्यक्ष (हिंदी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने उसी में मुख्य सत्र दिया।
- अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को बढ़ावा देने के लिए, डॉ लोकेश कुमार गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन, नई दिल्ली द्वारा एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन २३ फरवरी २०१२ को किया गया था, जिन्होंने "लोकतंत्र में प्रक्रिया : शासन और न्यायिक में मातृभाषा के महत्व" पर बात की थी।
- २४ फरवरी २०२२ को "बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग: अवसर और चुनौतियां" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रोफेसर प्रसाद प्रकाश जोशी, प्रो वाइस चांसलर, डेक्कन डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे ने एक मुख्य सत्र दिया।
- ३ मार्च २०२२ को "मातृभाषा में शिक्षा का विज्ञान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय भाषा मंच और प्रोफेसर, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ८ मार्च, २०२२ को एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें श्रीमती शीतल वैद्य-देशपांडे, सीए और मेंटर और जूरी पैनल सदस्य इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने "वसुधैव कुटुम्बकम : मूल्य जो विश्व का प्रकाशस्तंभ है" पर एक सत्र दिया।

१४. कार्यशालाएं, एफडीपी, एसटीपी और एमटीपी

- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पुणे द्वारा दिनांक २१ नवंबर से २५ नवंबर २०२१ तक उन्नत सीएमओएस प्रौद्योगिकी में कस्टम आईसी डिजाइन पर पांच दिवसीय एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षा (एटीएएल) अकादमी प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग ६. प्रतिभागियों, संकायों,

पीजी छात्रों और विभिन्न एआईसीटीई अनुमोदित संस्थानों के अनुसंधान विद्वानों और पंजीकृत उद्योग के सदस्यों सहित।

चित्र ५: उन्नत सीएमओएस प्रौद्योगिकी में कस्टम आईसी डिजाइन पर एफडीपी की झलक

- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पुणे द्वारा दिनांक २७ नवंबर से ०१ दिसंबर २०२१ तक पांच दिवसीय एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पुणे द्वारा किया गया था, जिसमें लगभग १९० प्रतिभागियों ने भाग लिया था। विभिन्न एआईसीटीई अनुमोदित संस्थानों के संकायों, पीजी छात्रों और अनुसंधान विद्वानों और पंजीकृत उद्योग के सदस्यों सहित।

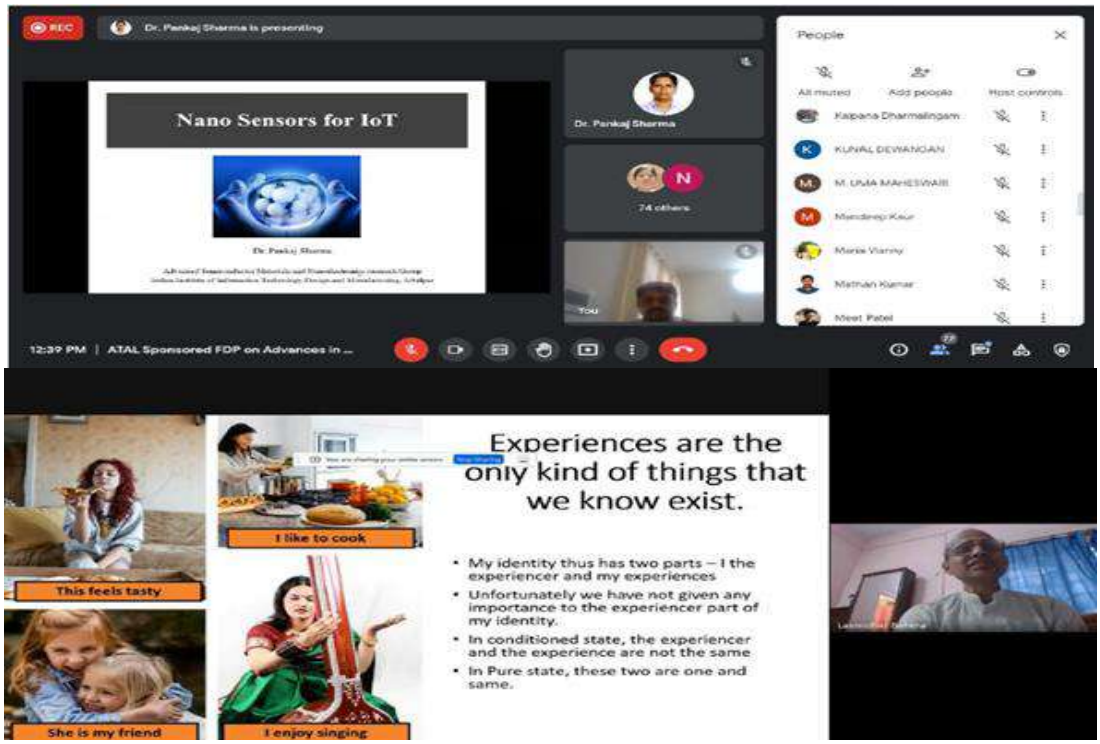

चित्र ६: नियंत्रण प्रणालियों और सेंसर प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर ५-दिवसीय एफडीपी की झलक

- डेटा विज्ञान पर ५-दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित एफडीपी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) पुणे द्वारा २० दिसंबर से २४ दिसंबर २०२१ तक पूरे दिन आयोजित किया गया था जिसमें लगभग १०३ प्रतिभागियों (अनुमोदित प्रतिभागियों में से) पूरे भारत में उसी के लिए Google मीट के माध्यम से ऑनलाइन भाग लिया।

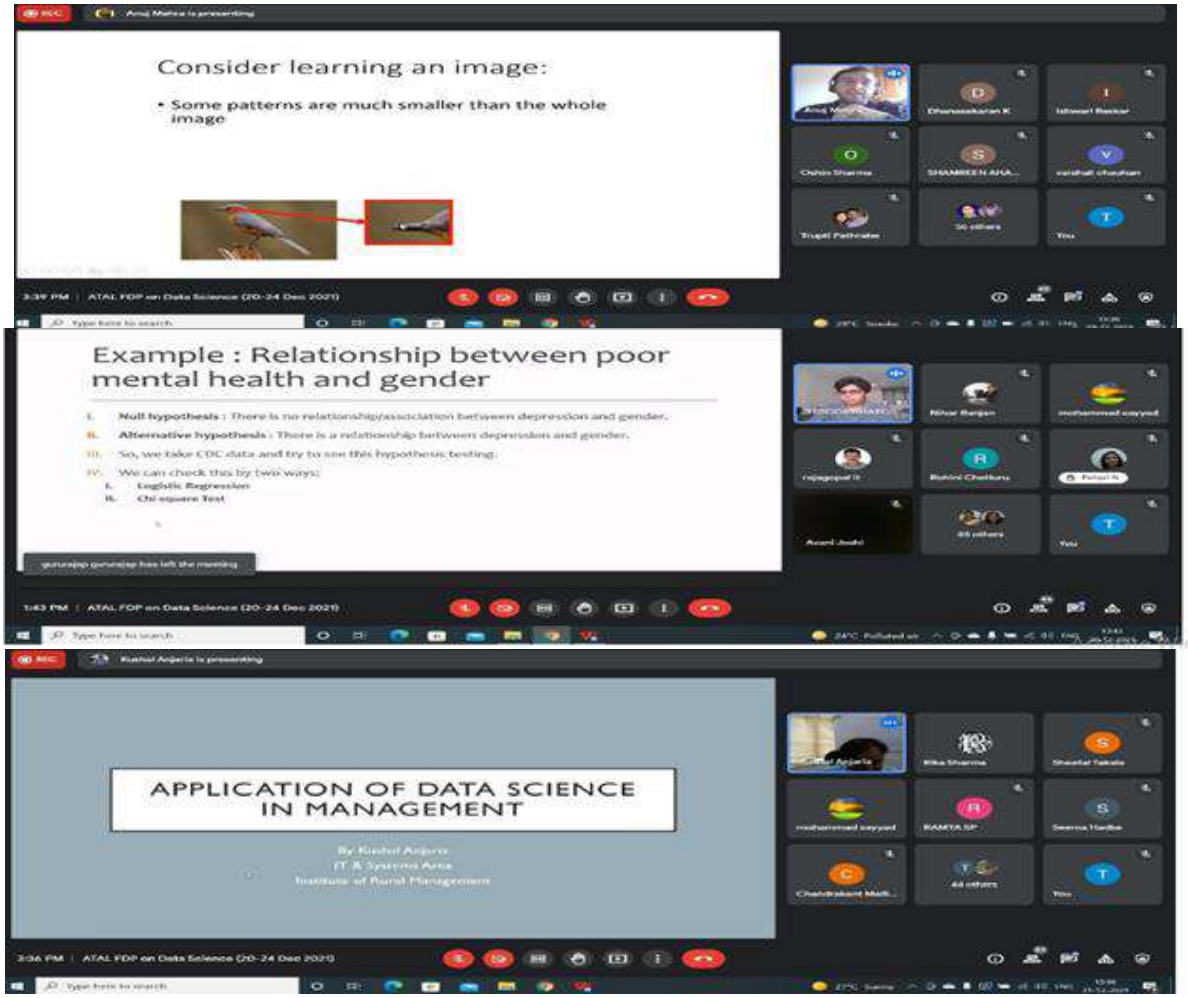

Fig ७: Glimpses ५-day FDP on Data Science

- ईडीए का उपयोग करते हुए कस्टम आईसी डिजाइन पर ७-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) पुणे द्वारा २७ फरवरी- ०५ मार्च २०२२ तक किया गया था जिसमें २० प्रतिभागियों (पीएचडी और पीजी) ने भाग लिया था।

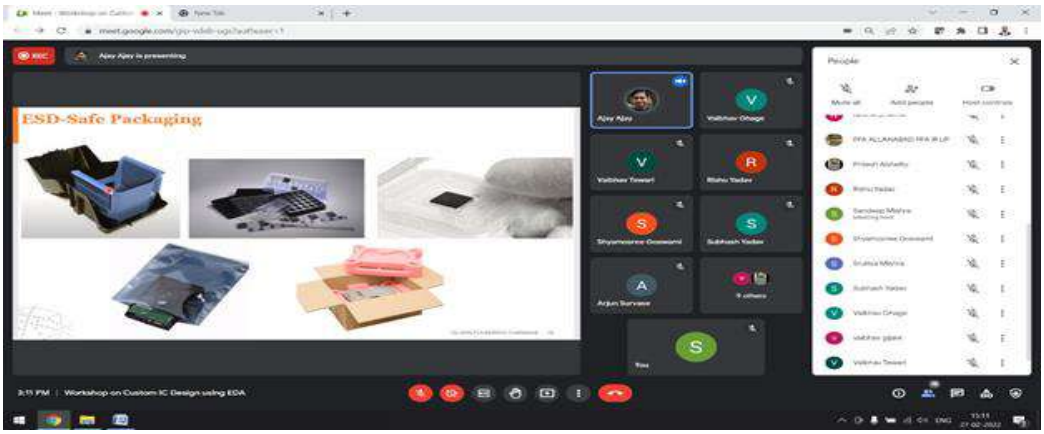

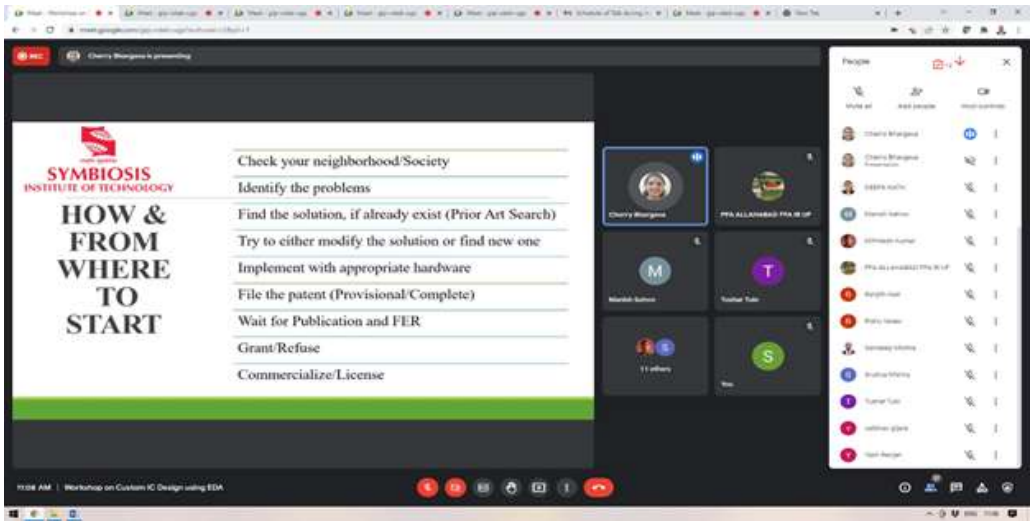

चित्र ८: ईडीए का उपयोग करते हुए कस्टम आईसी डिजाइन पर ७-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की झलक

१५. सह-शैक्षिक गतिविधियाँ

१५.१. ईबीएसबी

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" की घोषणा माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ३१ अक्टूबर २०१५ को सरदार वल्लभभाई पटेल की ४०वीं जयंती के अवसर पर की गई थी।

- १ अप्रैल २०२१ को, आईआईआईटी पुणे और आईआईआईटी त्रिची के ईबीएसबी क्लबों ने संयुक्त रूप से श्री गुरु तेग बहादुर सिंह (४०वां प्रकाश परब) पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- आईआईआईटी पुणे ने ईबीएसबी के तहत ७५वीं वर्षगांठ-आजादी का अमृत महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं: "श्री गुरु तेग बहादुर जी के ४०वें प्रकाश परब समारोह, स्वच्छता पखवाड़ा २०२१, ई-कचरा प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान स्वच्छता पखवाड़ा २०२१, आत्मानिर्भर भारत सप्ताह २०२१ और सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण समारोह २०२१।

१५.२. अन्य सह-शैक्षिक कार्यक्रम

- ई-सेल, आईआईआईटी पुणे ने ८ जून २०२१ से २७ जून २०२१ तक हैकाथॉन २क२१ का आयोजन किया। हैकाथॉन २k२१, एल्गोयूनिवर्सिटी के सहयोग से जुस्पे द्वारा संचालित प्रमुख कार्यक्रम था। हैकाथॉन २k२१ को वेवफोलियो पर होस्ट किया गया था और यह विश्व स्तर पर यूजी / पीजी पाठ्यक्रम में नामांकित किसी भी व्यक्ति के लिए खुला था। इस इवेंट में चुनने के लिए तीन थीम थीं - फ्रंट एंड डेवलपमेंट, फुल स्टैक डेवलपमेंट और एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट।

चित्र ९: अध्यक्ष श्री संजय स्वामी, पर्यावरण के राष्ट्रीय समन्वयक, एसएसयूएन, नई दिल्ली

- ९ जून २०२१ को अपराह्न ३ से ३:४० बजे तक आईआईआईटी पुणे ने पर्यावरण पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों के कारण, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। इस वर्ष, योग विद्या गुरुकुल की प्रशिक्षक श्रीमती नेहा पराखे को आईआईआईटी पुणे में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक योग सत्र आयोजित किया था।

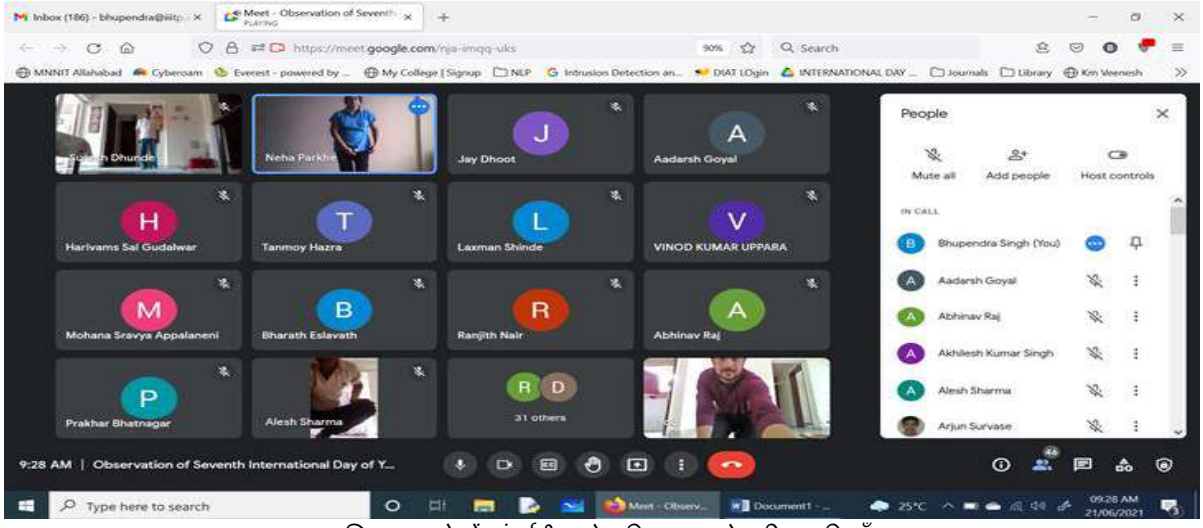

चित्र 10: पुणे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की झलकियाँ

- आईआईआईटी पुणे ने १३ अगस्त २०२१ को "फिट इंडिया फ्रीडम रन" कार्यक्रम का आयोजन किया। सभी प्रतिभागियों ने कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया और उत्साह और उत्साह के साथ भाग लिया। आंदोलन का मिशन व्यवहार में बदलाव लाना और शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन शैली की ओर बढ़ना है।
- आईआईआईटी पुणे और आईआईआईटी त्रिची ने संयुक्त रूप से ऑनलाइन मोड में ५ अगस्त २०२१ को "७५वां स्वतंत्रता दिवस" मनाया।

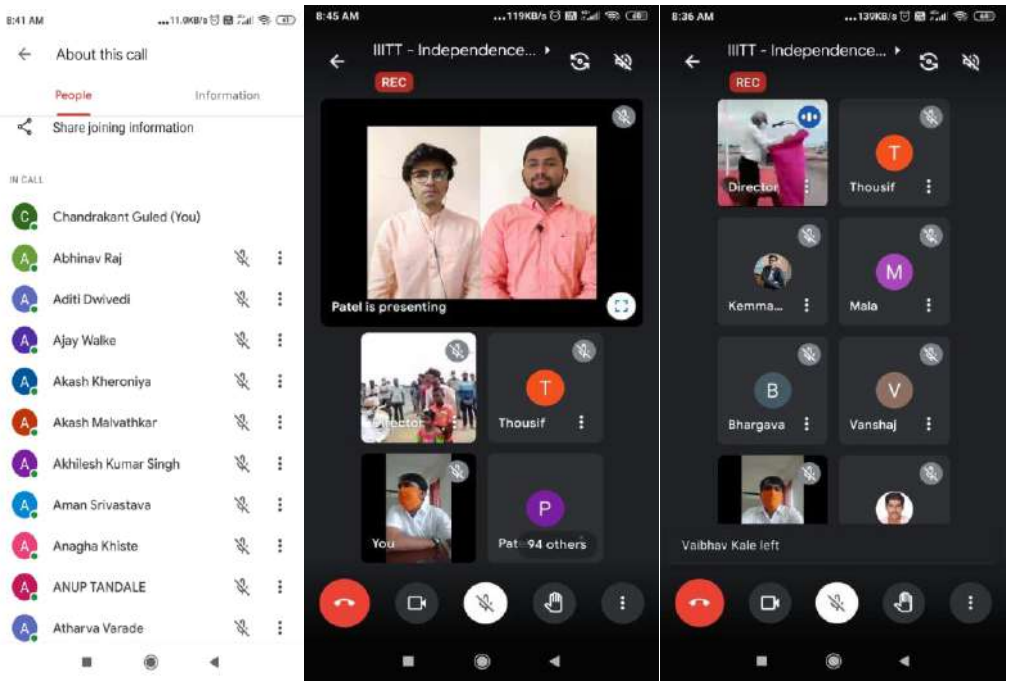

चित्र ११: आईआईआईटी पुणे और आईआईआईटी त्रिची में "७५वें स्वतंत्रता दिवस" समारोह की झलक

- आईआईआईटी पुणे में १० सितंबर २०२१ को गणेश चतुर्थी मनाई गई। परंपरा के अनुसार, एक कमरे में एक सुंदर वेदी बनाई गई थी, और भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की गई थी। कार्यक्रम को बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। इन दस दिनों के दौरान, स्टाफ और संकाय सदस्यों ने सुबह की प्रार्थना और शाम की आरती की।

चित्र १२: आईआईआईटी पुणे में गणेश चतुर्थी समारोह

- भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छता गतिविधियों में नागरिकों की सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करने और स्वच्छ भारत को वास्तव में एक नागरिक आंदोलन में बदलने के लिए मनाया जाने वाला एक पखवाड़ा लंबा कार्यक्रम है। स्वच्छता पखवाड़ा २०२१ और शपथ ग्रहण समारोह का उद्घाटन समारोह १ सितंबर २०२१ को निर्धारित किया गया था। शपथ ग्रहण समारोह में आईआईआईटी पुणे के सभी फैकल्टी और स्टाफ सदस्य शामिल हुए। शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार, आईआईआईटी पुणे ने स्वच्छता पखवाड़ा २०२१ के दौरान स्वच्छता से संबंधित नवीन प्रथाओं की पहचान करने के लिए एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। सुश्री शिप्रा भल्ला चौधरी ने ४ सितंबर २०२१ को ई-कचरा प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

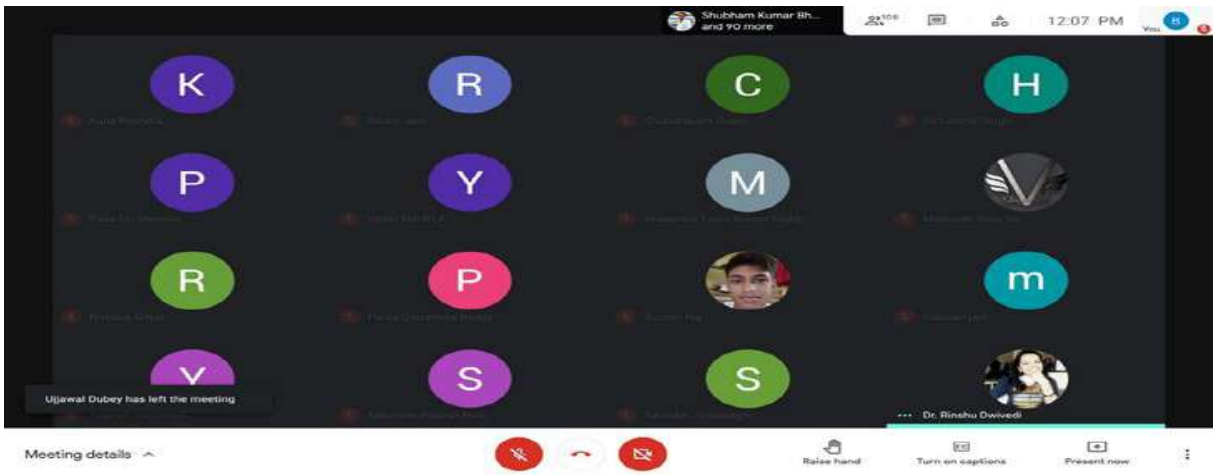

चित्र ३: आईआईआईटी पुणे में स्वच्छता पखवाड़ा २०२१ की पूर्व संध्या पर शपथ ग्रहण समारोह का एक स्नैपशॉट

- आईआईआईटी पुणे हिंदी भाषा को बढ़ावा देने और मनाने के लिए हर साल हिंदी पखवाड़ा मनाता है। सप्ताह भर चलने वाला यह आयोजन ४ सितंबर २०२१ से शुरू होता है, जिसे हिंदी दिवस के रूप में भी जाना जाता है। हिंदी पखवाड़ा के तत्वावधान में छात्रों के लिए कविता लेखन, निबंध लेखन, पाठ, वाद-विवाद, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई। हिंदी समिति के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

- 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में, भारत सरकार के प्रगतिशील भारत के ७५ साल और उसकी उपलब्धियों का जश्न मनाने और मनाने के लिए एक पहल के तहत, आईआईआईटी पुणे ने स्वतंत्र भारत @७५: सत्यनिष्ठा से स्वतंत्रता पर एक अखंडता प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया। भारत @७५: सत्यनिष्ठा के साथ आत्म निर्भरता। सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण समारोह २ अक्टूबर २०२० को गूगलमीट के माध्यम से निर्धारित किया गया था।
- गांधी जयंती के अवसर पर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पुणे में उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत (आत्मनिर्भर भारत) अभियान के मद्देनजर एक अंतर-कॉलेज कार्यक्रम, 'दृष्टि - आत्म निर्भर भारत' का आयोजन किया गया।

चित्र ४: आईआईआईटी पुणे में आत्मानिर्भर भारत की शपथ लेने के कुछ स्नैपशॉट

- आईआईआईटी पुणे ने १८ दिसंबर,२०२१ को अपना दूसरा स्टार्टअप शिखर सम्मेलन आयोजित किया। जयजीत भट्टाचार्य, ई-गवर्नेंस के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ और श्रीलंका सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार के सलाहकार मुख्य अतिथि थे। क्रैडल के निदेशक डॉ सत्य रंजन आचार्य ने उद्घाटन नोट दिया। उसके बाद श्री अनिल श्रीकांतम, एक आईआईटी मद्रास और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, वर्तमान में उपाध्यक्ष-एफ्लुएंस इंफोसिस्टम्स, ने लक्ष्यों को परिभाषित करने और फिर तकनीक और लोगों के आवेदन का उपयोग करने वालों को प्राप्त करने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। इसके बाद, श्री कन्हैया गौतम, इंजीनियरिंग के प्रमुख और लेंट्रा एआई प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य वास्तुकार ने अपने विचार साझा किए। डॉ. जवाहर सुरीसेट्टी, टेड स्पीकर, स्टार्टअप मेंटर दिन के अंतिम वक्ता थे।
- कोडशेफ पर हर साल आयोजित पुणे की वार्षिक फ्लैगशिप कोडिंग प्रतियोगिता, इन्फिनिटी २k२१, २२ दिसंबर, २०२१ को आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में ८९०+ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों और लगभग १०००+ प्रस्तुतियाँ देखी गईं। दुनिया के कुछ सबसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों की भागीदारी प्रचुर मात्रा में थी। इस आयोजन में सभी समय के सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामरों में से एक गेन्नेडी कोरोटकेविच की भागीदारी भी देखी गई।

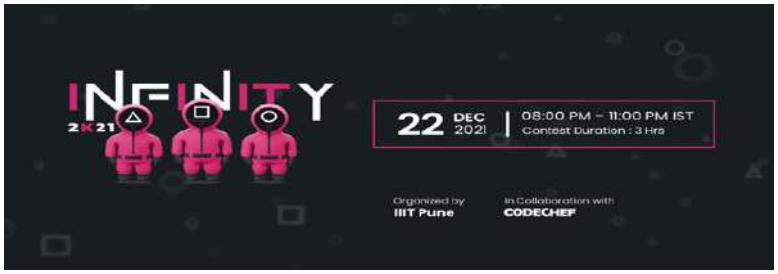

चित्र ५: इन्फिनिटी का आवरण पृष्ठ २२१

- भारत के महानतम नेताओं में से एक और युवा शक्ति में विश्वास रखने वाले स्वामी विवेकानंद की जयंती के सम्मान में भारत हर साल १२ जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। "युवा दिवस" के रूप में भी लोकप्रिय, राष्ट्रीय युवा दिवस देश में युवाओं को बेहतर इंसान बनने और देश के विकास में योगदान देने वाला एक सम्मानजनक जीवन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हर साल इस दिन को चिह्नित करने के लिए एक

विशेष थीम तय की जाती है। इस वर्ष स्वामी विवेकानंद की महत्वपूर्ण सोच को युवाओं के बीच साझा करने के उद्देश्य से "राष्ट्र निर्माण के लिए युवा शक्ति को चैनलाइज़ करना" के रूप में निर्णय लिया गया है।

- संस्थान में २६ जनवरी २०२२ को ७०वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।
- आईआईआईटी पुणे की इक्लेक्टिक- लिटरेरी सोसाइटी द्वारा २८ फरवरी २२ - २५ मार्च २०२२ तक "वाक्पटुता - यदि आप एक टेडएक्स स्पीकर थे" आयोजित किया गया था। इस घटना में, प्रतिभागियों को अपनी पसंद के विषय पर एक भाषण देना था, यह मानते हुए कि वे एक टेड वक्ता थे।

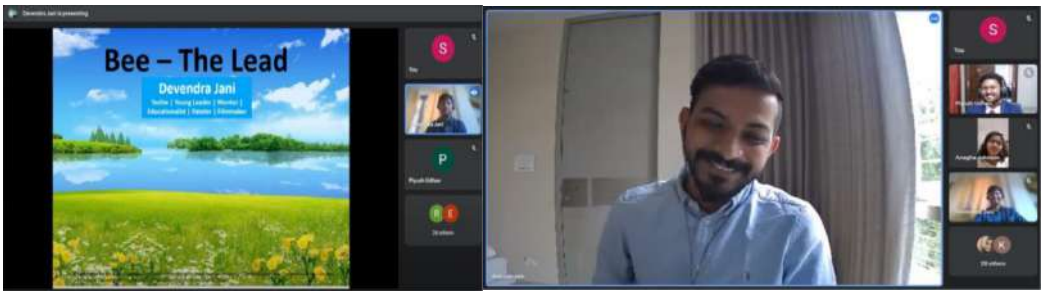

चित्र १६: वाक्पटुता की झलक २०२२

- आईआईआईटी पुणे ने ऑनलाइन मोड पर ३० मार्च २०२२ को एक आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकथॉन २०२२ का आयोजन किया।

चित्र १७: आईआईआईटी पुणे में हैकाथॉन २०२२ की झलक

१६. स्वीकृति

आईआईआईटी पुणे संस्थान की स्थापना में अपने अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के लिए शिक्षा मंत्रालय को धन्यवाद देता है। हम बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सीनेट, भवन और कार्य समिति के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियों की पूरी श्रृंखला सभी हितधारकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के उत्साहपूर्ण समर्थन और भागीदारी के साथ होती है। हम अपनी फंडिंग एजेंसियों, पेशेवरों और विशेषज्ञों के बहुत ऋणी हैं, जो विभिन्न गतिविधियों और आयोजनों में हमारी सहायता करते हैं। हम अपने पूर्व छात्रों के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे कैंपस जीवन की जीवंतता को समृद्ध बनाने में अपना योगदान दिया है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी पुणे)
सर्वे नंबर ९/१/३, सिंहगढ़ इंस्टीट्यूट रोड, अम्बेगांव बुद्रुक, पुणे-४११०४१
फोन: +९१-९४०४५४२१३४ वेबसाइट: www.iiitp.ac.in